

प्रकृत भाषा स्त्री. (तत्.) माता-पिता एवं परिवेश से प्राकृतिक रूप में या सहज रूप से सीखी गई भाषा, प्रथम भाषा, मातृ भाषा, जन्मजात भाषा।

प्रकृत रूप पुं. (तत्.) किसी भी कथन अथवा वस्तु का सैद्धांतिक व आधारभूत रूप जिनसे अन्य सभी संबंधित कथन अथवा वस्तु बनाए जा सकते हो।

प्रकृतवाद पुं. (तत्.) 1. प्रत्येक घटना की कारण-कार्य के नियमों के करने का वाद, अनुसार व्याख्या करने का वाद 2. प्रकृति के नियमों के अनुसार चलने और कृत्रिमता से दूर रहने का मत 3. प्रकृति को ही जगत् का उत्पादक मानने का सिद्धांत पर्या. प्रकृतिवाद यथार्थवाद 4. श्लेष अलंकार का एक प्रकार या भेद।

प्रकृतवादी वि. (तत्.) प्रकृतवाद से संबंधित या उसको मानने वाला पुं. प्रकृतवाद का अनुयायी।

प्रकृतार्थ वि. (तत्.) यथार्थ एवं वास्तविक भाव बताने वाला पुं. 1. सहज और स्वाभाविक अर्थ 2. आशय या अभिप्राय।

प्रकृति स्त्री. (तत्.) किसी प्राणी या वस्तु का मूल गुण, स्वभाव अथवा मिजाज 2. वस्तु या प्राणी में एक वृद्धि या परिवर्तन का नियम, स्वाभाविक रूपांतरण विकसित होने का नियम 3. भौतिक जगत् का कारण रूप मूल तत्त्व, निसर्ग, कुदरत, 4. सृष्टि, दृश्य जगत् जिसमें जड़ पदार्थ (पर्वत, नदी आदि) तथा मनुष्य, पशु पक्षी जलचर वनस्पतियों इत्यादि 5. भाषा. किसी शब्द का मूल रूप जैसे- धातु/प्रातिपदिक आदि जिसमें प्रत्यय लगाने से वह 'पद' बनता है 6. किसी शब्द के मूल का शाब्दिक अर्थ मनो. किसी प्राणी का वैयक्तिक गुण जो उसकी कार्यशैली, भावना, स्वभाव व प्रतिक्रिया आदि को प्रभावित करता है सा.नृवि. किसी देश, काल, भाषा आदि का कोई विशिष्ट लक्षण या स्वरूप आदि।

प्रकृति अध्ययन पुं. (तत्.) 1. प्रकृति-प्राकृतिक पदार्थों का अध्ययन 2. पशु-पक्षियों, पेड़-पौधों,

फूल-पत्तियों, नदी-पर्वत व मौसम आदि का अध्ययन।

प्रकृति चित्रकार पुं. (तत्.) 1. एक नजर में देखकर पृथ्वी के किसी भी दृश्य को चित्रित करने वाला 2. प्राकृतिक दृश्यों का चित्रण करने वाला।

प्रकृति चित्रण पुं. (तत्.) 1. प्रकृति का यथार्थ चित्रण 2. स्वाभाविक प्रवृत्तियों द्वारा प्रेरित कृत्य, धर्म 3. संसार के प्रति वास्तविक दृष्टिकोण।

प्रकृतिज वि. (तत्.) जो प्रकृति से उत्पन्न हुआ हो, स्वभाव जन्य, कुदरती, प्राकृतिक।

प्रकृतितंत्रवाद पुं. (तत्.) प्राकृतिक क्रम पर बनी सरकार या शासन व्यवस्था, जिसमें भूमि को संपत्ति एवं कराधान आदि को आधार माना जाता है तथा अबंध नीति को अपनाया जाता है।

प्रकृति पुरुष पुं. (तत्.) मंत्री, राज्य में कार्य विशेष का निर्वाहक, निष्ठा से उत्तरायित्व संभालने वाला।

प्रकृति पूजा स्त्री. (तत्.) प्रकृति के किसी भाग अथवा वस्तु की पूजा, वृक्ष, नदी, पहाड़ आदि प्राकृतिक पदार्थों की पूजा, प्राकृतिक शक्तियों की उपासना।

प्रकृतिभाव पुं. (तत्.) 1. स्वभाव, मूलरूप, मूल स्थिति भाषा. वाक्य के जिस शब्द में किसी प्रकार का कोई परिवर्तन नहीं हुआ हो अर्थात् जो शब्द अपने मूल रूप में हो और उसमें कोई प्रत्यय आदि न लगा हो, अविकारी शब्द।

प्रकृति मंडल पुं. (तत्.) 1. किसी राज्य के संविधायी राज्य के सात अंगों जैसे- राजा, मंत्री, मित्र राष्ट्र, कोष, सेना, दुर्ग दूत का मंडल 2. प्रजा का वर्ग या समूह।

प्रकृतिलय पुं. (तत्.) प्रलय, प्रकृति में लय होने की स्थिति, संसार का प्रकृति में मिल जाना, प्रकृति में समा जाना, विश्व का विघटन।

प्रकृतिवाद पुं. (तत्.) 1. प्रकृति को ही संसार का मूल कारण मानने का मत, प्रकृति को ईश्वरीय शक्ति मानने का मत 2. उपस्थि पदार्थ पर